Central and the State Warehousing Corporations.

SHRI S. A. MURUGANANTHAM Have Government approached the World Bank for financial assistance for increasing warehousing facilities ? If so, has any help been offered in this respect ?

SHRI ANNASAHEB P. SHINDE . I require notice

दिल्ली में सुपर बाजारों को हुआ लाभ और हानि

*255. **श्री जगन्नाथराव जोशी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली मे सुपर बाजारो को 1969-70 से अब तक कितना लाभ हुआ और कितना घाटा हुआ,

(ख) गत तीन वर्षों मे सरकार ने दिल्ली से सुपर बाजारो को कुल कितनी राशि का ऋण दिया, और

(ग) दिल्ली मे सुपर बाजारो के कार्यकरण मे सुधार करने के लिए सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

कृषि मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री जगन्नाथ पहाड़िया): (क) 30 जून, 1971 को समाप्त होने वाले सहकारी वर्ष मे कोआपरेटिव स्टोर लि० (सुपर बाजार), नई दिल्ली को लगभग 19 लाख रु० की हानि होने का अनुमान है। सही राशि का पता इसके लेखाओ की लेखा-परीक्षा पूरी होने के बाद चलेगा, जो कि इस समय की जा रही है। वर्ष 1970-71 की स्थिति का पता जून, 1971 मे सहकारी वर्ष के समाप्त होने और उस वर्ष के लेखाओं को अन्तिम रूप दिये जाने तथा लेखा परीक्षा किए जाने के उपरान्त चलेगा।

(ख) 1960 मे इसके प्रारम्भ से लेकर सरकार ने 72.97 लाख रु० की धनराशि के ऋण दिए है, जिसमे से सुपर बाजार ने 12.26 लाख रु० की धनराशि सरकार को वापिस की है।

(ग) सुपर बाजार के कार्यकरण मे सुधार करने के लिए एक योजना बनाई गई है, जिसमे अन्य बातो के साथ-साथ इनकी व्यवस्था है—किफायत के उपाय अपनाना, जिसमे स्थापना लागत मे कमी करना भी शामिल है, परिचालन तथा लेखा प्रक्रियाओ को सरल तथा कारगर बनाना, बिक्री को बढावा देना और विज्ञापनो तथा अन्य स्रोतो से आय मे वृद्धि करना। हाल ही मे 65 लाख रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी गई है, ताकि सुपर बाजार अपनी देयता को समाप्त कर सके नया माल खरीद सके और कार्यकर पूंजी के लिए बैंक ऋण प्राप्त करने हेतु उपात रख सके।

श्री जगन्नाथ राव जोशी : अध्यक्ष महोदय, सरकार मे यह जो सुपर बाजार खोला है वह जनता को चीजे अच्छी मिलें और साथ ही सस्ते दामो पर मिले इन दो बातो को ध्यान मे रखकर खोला है। अभी जैसा कि मंत्री महोदय ने बताया उस में घाटा होने का अनुमान है और जो लौस हुआ वह तो उन्होने बता ही दिया है। A Super Bazar is not expected to incur Supper losses जब शासन इसे चलाता है तो उस मे भले ही कोई मुनाफा हो या न हो लेकिन यह तो वह चाहता ही है कि जनता को नो प्राफिट नो लौस बेसिस पर अच्छी और सस्ती चीजे मिलें। शासन मे वह जो 72

लाख रुपये का ऐडवांस सुपर बाज़ार को अब तक दिया है तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि पिछली बार जब शासन को आभास हो गया था कि सुपर बाज़ार को लौस आने की सम्भावना है तो उस के बाद उन को यह ऐडवांस किस आधार पर दिया जाता है ?

श्री जगन्नाथ पहाड़िया : श्रीमन, पहले तो मैं यह स्पष्ट कर दूं कि सुपर बाज़ार केवल इसलिये नहीं खोले गये थे कि वस्तुओं के दाम सस्ते रक्खें बल्कि उन्हें खोलने का उदेश्य यह था कि वस्तुओं की कीमतें स्थिर रख सकें । जैसा कि माननीय सदस्य जानते हैं सुपर बाजार की स्थापना उस समय की गई थी जिस समय रुपये का अवमूल्यन हुआ था और देश के अन्दर कीमतें बढ़ने का अनुमान था तो सरकार ने सुपर बाजार खोल कर जनता को उनकी आवश्यकता की चीजें मुनासिब मूल्य पर देने का प्रयत्न किया । अब निश्चित रूप में इसमें कुछ हमारी हानि हुई है । उसके कारण मैं इस सदन् में बतला चुका हूँ लेकिन अब इस बात का ध्यान रक्खा जायेगा कि पिछले अनुभव के आधार पर जो हम को नुकसान हुआ है उसको हम पूरा कर सकें और आगे से इस काम को ठीक तरीके से चला सकें और जनता को सही कीमत पर सुविधा के साथ उस की आवश्यकता की तमाम वस्तुएं सुलभ कर सकें ।

श्री जगन्नाथ राव जोशी : सुपर बाज़ार में जितनी माल आदि की बिक्री होनी चाहिये वह उस मात्रा में नहीं होती है और क्या पर्याप्त बिक्री न होने का कारण सुपर बाज़ार के कर्मचारियों का वहां पर आने वाले खरीददारों के साथ व्यवहार है ? उचित यह है कि सुपर बाज़ार के कर्मचारी लोग आने वाले कस्टमर्स के साथ ऐसा व्यवहार रक्खें ताकि वे दुबारा सुपर बाजार खरीददारी करने के लिए आने की रुचि रक्खें ।

मैं बहुत मर्तबा अपने सुपर बाजार में गया हूँ और मैंने विदेशों के भी सुपर बाजार देखे हैं और वहां के डिपार्टमेंटल स्टोर्स देखे हैं । अभी मुझे अपने सुपर बाजार को जहां मशीन से रस निकाल कर पिलाने का प्रबन्ध है उस व्यवस्था को देख कर बड़ी शर्म लगी । वहां जो रस पीने की जगह है वह गन्दी है और जिस मशीन से रस निकालते हैं वह मशीन भी गन्दी है और वहाँ का वातावरण ऐसा है कि एक बार जाकर दुबारा फिर आदमी वहाँ रस पीने के लिए नहीं जाना चाहेगा । मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि यह अपना बाजार अर्थात सुपर बाजार में क्या वैसी अनुकूल स्थिति और वातावरण लायेंगे और वहाँ के कर्मचारियों में कस्टमर्स के प्रति उचित व्यवहार करने की भावना लायेंगे ताकि यह सुपर बाजार कामयाब हो सके ?

श्री जगन्नाथ पहाड़िया : माननीय सदस्य ने सुपर बाजार को जनता में कामयाब बनाने के लिए जो सुझाव दिए हैं उन पर पहले से विचार किया जा रहा हैं और सभी आवश्यक कार्यवाही की जा रही है ।

SHRI S. M. BANERJEE : I would like to know whether the creation of Super Bazaars and Apna Bazaars in Delhi has forced the private shop-owners to keep the prices within reasonable limits, if so, whether more Super Bazaars will be established in various areas, because this is giving a fillip to the consumers that they can buy things at a reasonable rate ?

अध्यक्ष महोदय : सुपर बाजार में तो घाटा होने की बात बतलाई है और माननीय

सदस्य और अधिक संख्या में सुपर बाजार खोलने का सुझाव दे रहे हैं।

श्री स० मो० बनर्जी : घाटा होने दीजिये वह तो ठीक हो जायेगा। थोड़ा बहुत घाटा वह तो ठीक हो जायेगा।

I want to know whether more Bazaars will be opened so that there may be more sales which will mean less cost and naturaly less loss.

अध्यक्ष महोदय : मंत्री महोदय जवाब दें। उनके घाटे का जवाब दीजिये।

SHRI JAGANNATH PAHADIA: Yes, I agree with the proposal. We have opened some more branches in New Delhi and Delhi areas. Apart from the Super Bazaar in Connaught Circus, there is one in INA, another in Patel Nagar and one in Irwin Hospital. Recently one has been started in Willingdon Hospital.

श्री टी० सोहनलाल : जैसा अभी मंत्री महोदय ने कहा, और मैं समझता हूँ, जिन लोगों को सुपर बाजार से फायदा होना चाहिये था, उनको उसका फायदा नहीं होता। अगर जगह जगह पर छोटे छोटे सुपर बाजार खोले जाये तो मैं समझता हूं कि लोगों को ज्यादा फायदा हो सकता है। क्या सरकार इस बारे में विचार कर रही है?

श्री जगन्नाथ पहाड़िया : हम तो ज्यादा से ज्यादा सुपर बाजार खोलना चाहते हैं। लेकिन यह कोआपरेटिव सोसायटीज को दिए जाते हैं। अगर माननीय सदस्य कोआपरेटिव सोसायटी बनवा लें तो सरकार जरूर सहायता करेगी।

Import of Byelarus Tractors.

*256. SHRI S. M. BANERJEE : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is the policy of Government to import tractors which have an approved manufacturing programme and which have been tested at Budni;

(b) whether Byelarus tractors have been imported in the country without fulfilling the above mentioned conditions; and

(c) If so, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE) : (a) to (c) A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) to (c). The Government of India have allowed import of such make/makes of tractors (i) as have a manufacturing programme approved by the Ministry of Industrial Development and Internal Trade and/or the manufacture of which is likely to be established in the country in the foreseeable future and (ii) which had either been tested at Tractor Training and Testing Station, Budni and found satisfactory or alternatively which had been imported in the past and about which we have had sufficient experience as to their satisfactory performance under Indian conditions Byelarus tractors were imported in large numbers in the past and their performance was found satisfactory. A programme for the manufacture of Byelarus tractors was also under consideration of Government at the time the import was recommended. In the circumstances, the import of Byelarus tractors was agreed to against the requirements for 1969-70.